माननीया कुलाधिपति जी की अध्यक्षता में राज्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के कार्य परिषद/बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में कुलाधिपति द्वारा नामित सदस्यों का दिनांक 19 अगस्त, 2022 को गांधी सभागार, राजभवन, लखन ऊ में आयोजित सम्मेलन का कार्यवृत्त

राज्य विश्वविद्यालयों के कार्य परिषद/बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में माननीया कुलाधिपति जी द्वारा नामित सदस्यों का सम्मेलन दिनांक 19 अगस्त, 2022 को गांधी सभागार, राजभवन, लखन ऊ में माननीया कुलाधिपति जी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में कुल 59 प्रतिभागी उपस्थित रहें, जिसमें से सात, उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों/संस्थान के कुलपति/निदेशक तथा एक निजी विश्वविद्यालय के कुलपति भी है।

सम्मेलन में माननीया कुलाधिपति के द्वारा नामित सदस्यों ने अपने अनुभव साझा किये तथा माननीया कुलाधिपति जी की अनुमति से निम्नवत् निर्णय किए गएः–

- विश्वविद्यालय के कार्य परिषद/बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक निर्धारित समय के अनुसार आयोजित होनी चाहिए। कम से कम तीन या चार महीने में कार्य परिषद की बैठक आयोजित हों, साथ ही आवश्यकता के अनुसार भी कार्य परिषद की बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाना चाहिए।
- कार्य परिषद/बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक का एजेंडा कम से कम दस दिन पहले सदस्यों को मिल जाना चाहिए जिससे सम्बन्धित विषय पर वह उसके विषय में चिंतन कर सके और बैठक में अपने विचार भी रख सके।
- कार्य परिषद/बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक के आयोजन की तिथि एवं समय भी सभी सदस्यों को निर्धारित समय पर सूचित किया जाना आवश्यक है, जिससे वह बैठक में सम्मिलित हो सके।
- अक्सर यह देखा गया है कि कार्य परिषद/बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्यों की तरफ से एजेंडा बिन्दु कम सूचित किए जाते हैं, यदि उन्हें बैठक आयोजन की तिथि एवं एजेंडा बिन्दु समय पर प्राप्त हो जायेगा तो सदस्यगण भी अपनी तरफ से बैठक के लिए चर्चा के विषय ससमय (एडवांस में) भेज सकेगें ।
- अन्य समितियों के मिनट्स ऑफ मीटिंग तथा एक्शन टेकन रिपोर्ट निर्धारित समय में सदस्यों को पहुँच जानी चाहिए।
- कार्य परिषद/बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक के आयोजन के बाद कार्य परिषद का विस्तृत मिनट्स ऑफ मीटिंग तथा एक्शन टेकन रिपोर्ट निर्धारित समय में पहुँच जानी

चाहिए तथा अपेक्षा यह भी रखी जाती है, कि सभी सदस्यगण भी बैठक का कार्यवृत्त तैयार करने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

- माननीया कुलाधिपति के नामित सदस्यों ने सूचित किया कि कार्य परिषद की चर्चा के विषय में उपस्थित सभी सदस्यों के विचार जानने के लिए बैठक की कार्यसूची (एजेंडा) में एक बिन्दु यह भी रखा जाए जिससे उपस्थित सभी सदस्यगण, विश्वविद्यालय के विकास के लिए अपने विचार कार्यपरिषद की बैठक में प्रस्तुत कर सकें।

- सम्मेलन में उपस्थित नामित सदस्यों ने यह भी सूचित किया कि माननीय कुलपतिगण एवं अन्य अधिकारियों के साथ में भी कार्य परिषद की बैठक के उपरान्त समय-समय पर चर्चा विचारणा के लिए समय रखना चाहिए जिससे कार्य परिषद के सदस्य अपने विचार विश्वविद्यालय के विकास के लिए सूचित कर सकें।

- कार्य परिषद/बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक के दिन अथवा एक या दो दिन पहले भी चर्चा के बिन्दु (एडिशनल प्वाइंट) भेजे जाते हैं, विश्वविद्यालय की तरफ से यह होना चाहिए कि कम से कम बिन्दु अंतिम समय में सम्मिलित किये जाये।

- सम्मेलन में चर्चा की गई कि पॉलिसी मैटर अथवा ऐसे विषय जो विश्वविद्यालय के वित्तीय विषय से संबंधित है। उन विषयों को टेबल आइटम अथवा अध्यक्ष स्थान पर प्रस्तुत न किया जाए अपितु ऐसे बिन्दुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए समिति के सदस्यों को समय मिलना आवश्यक है।

- कार्य परिषद/बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्यों ने यह भी प्रस्ताव रखा कि जो सदस्य अपने क्षेत्र के विषय विशेषज्ञ हैं और विशेषकर अकादमिक क्षेत्र में विश्वविद्यालय को जहाँ भी आवश्यकता है उनकी सेवाओं का लाभ अवैतनिक के रूप में लिया जा सकता है।

- कार्य परिषद/बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्यों ने सूचित किया कि हमारे पाठ्यक्रम तथा रिसर्च, इंण्डस्ट्री के लिए लिए ज्यादा उपयोगी सिद्ध नहीं हो रहे हैं, इस तरफ हमें ध्यान देना आवश्यक है।

- माननीया कुलाधिपति जी ने सूचित किया कि हमारा उद्देश्य है कि केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार की जो योजनाएं हैं, उन विषय को लेकर रिसर्च किया जाना चाहिए। सरकार की योजनाओं के बारें में हमे सर्वे कर सरकार को रिपोर्ट देनी चाहिए कि किस तरह के विषयों पर रिसर्च होनी चाहिए, इसके लिए प्रशासन से मार्गदर्शन भी लेना चाहिए।

माननीया कुलाधिपति जी ने सदस्यों को आश्वस्त किया कि अगले 6 महीने के बाद में पुनः इसी तरह की बैठक का आयोजन किया जाएगा।

अन्त में बैठक धन्यवाद के साथ सम्पन्न हुई ।

(डा0 पंकज एल0 जानी)
विशेष कार्याधिकारी,श्री राज्यपाल,उ0प्र0।

- माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति जी ने आमंत्रित सभी सदस्यगण को बैठक में उपस्थित रहने के लिए अभिनन्दन एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई। माननीया कुलाधिपति ने सूचित किया कि इस बैठक में जो सुझाव प्राप्त हुए हैं इससे प्रदेश के छात्रों को लाभ होगा। माननीया कुलाधिपति जी ने कहा कि कार्य परिषद की शक्तियॉ अपार हैं उसका सही उपयोग होना चाहिए। सभी सदस्य बिना किसी दबाव के अच्छा कार्य करें। विश्वविद्यालय में सामूहिक रूप से मिल जुल कर कार्य करना चाहिए।
- माननीया कुलाधिपति ने सभी सदस्यों को यह सूचित किया कि राजभवन द्वारा अध्यापकों की नियुक्ति के लिए जो सूचना प्रेषित की गई है उसे सभी को पढ़ना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण अच्छे शिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए एवं नियुक्तियों में पारदर्शिता होनी चाहिए।
- विश्वविद्यालय में जो बेस्ट प्रेक्टिसेज हो रही है उसे सबके साथ में शेयर किया जाना चाहिए ।
- विश्वविद्यालय ने जिन गांवों को गोद लिया है उसमें नियमित कार्य होने चाहिए, लाभार्थियों को केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिले उसके लिए प्रयत्न करना चाहिए। टीबी मुक्त भारत अभियान में सभी को जोड़ना चाहिए, महिलाओं को ट्रेनिंग में जोड़कर इनकम किस तरह से जनरेट हो सकती है इसके लिए विश्वविद्यालयों को निरन्तर प्रयत्न करना चाहिए। महिला ग्राम प्रधान जहां पर है व खुद नेतृत्व करें, महिलाएं अच्छा कार्य कर सकती है। विश्वविद्यालय उनके साथ में रहकर कार्य करें।
- खेलों इण्डिया जैसे कार्यकम तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास के कार्यकमों का आयोजन होना अति आवश्यक है।
- बायो मैट्रिक्स का उपयोग करना अत्यन्त आवश्यक है और अध्यापकों/कर्मचारियों के वेतन, इसके साथ लिंक करना अति आवश्यक है। विश्वविद्यालयों को यह भी सुनिश्चित करना है कि दीक्षांत समारोह में सभी छात्र उपस्थित रहें। कालेजों की सरप्राइज विजिट भी हो, आवश्यकता के बिना विज्ञापन ना निकाले जाएं। कर्मचारियों के लिए ट्रेनिंग का प्रावधान किया जाए।
- विश्वविद्यालय नैक मंथन तथा काशी शिक्षा समागम जैसे कार्यकमों पर विचार–विमर्श करें। शेयरिंग करना बहुत ही जरूरी है, सब लोग साथ में बैठकर विचार–विमर्श करें।

- माननीया कुलाधिपति जी ने सदस्यों को आश्वस्त किया कि अगले 6 महीने के बाद में पुनः इसी तरह की बैठक का आयोजन किया जाएगा।

अन्त में बैठक धन्यवाद के साथ सम्पन्न हुई ।

(डा0 पंकज एल0 जानी)
विशेष कार्याधिकारी,श्री राज्यपाल,उ0प्र0।